



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 128] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 22, 1979/चैत्र 1, 1901  
No. 128] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 22, 1979/ CHAITRA 1, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

भ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1979

अधिसूचना

का. आ. 153 (अ).—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 25 मार्च, 1979 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसके उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) के जयबन्ध उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नीलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला भांसी के  
परगना तथा तहसील भांसी के  
राजस्वग्रा करारी, सिमर्धा,

नयागांव, खैलार, बिजौली, हंसारी और  
पिछौर की सीमा के अन्तर्गत क्षेत्र।”

[संख्या एस-38013/33/76-एच. आई.]

एस. एस. सहस्रनामान, उप सचिव

### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd March, 1979

#### NOTIFICATION

**S.O. 153 (E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 25th March, 1979 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh namely :—

“The areas comprised within the revenue villages of  
Karari, Simardha, Nayagaon, Khaillar,  
Bijoli, Hansari and Pichhore in  
Pargana and Tehsil Jhansi,  
District Jhansi.”

[No. S. 38013/33/76-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.